हिन्दी (प्रश्न-पत्र II) 2024

(साहित्य)

HINDI (Paper II)

(LITERATURE)

निर्धारित समय **तीन घण्टे**
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

- इसमें आठ प्रश्न हैं, जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी में छपे हैं।
- उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
- प्रत्येक प्रश्न । भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।
- प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।
- प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह- उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

- There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed in HINDI.
- Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.
- Questions No. **1 and 5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.
- The number of marks carried by a question / part is indicated against it.
- Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).
- Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
- Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (**QCA**) Booklet must be clearly struck off.

Answer Writing by Arvind Kumar Sir

निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर स्वयं की भाषा में लिखिए):
निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए: 10×5=50

(a) बिरह अगिनि तनु ठूल समीरा।
स्वास जरइ छन माहिं सरीरा॥
नयन स्रवहिं जलु निज हित लागी।
जरें न पाव देह बिरहागी॥

(b) हा दैव ! अब वे दिन कहाँ हैं और वे रातें कहाँ ?
हैं काल की घातें कि कल की आज हैं बातें कहाँ ?
क्या थे तथा अब क्या हुए हम, जानता बस काल है;
भगवान् जाने, काल की कैसी निराली चाल है !।

(c) महानृत्य का विषम सम, अरी
अखिल स्पंदनों की तू माप,
तेरी ही विभूति बनती है
सृष्टि सदा होकर अभिशाप।

((d), अति-प्रफुल्लित कंटकित तन-मन वही
करता रहा अनुभव कि नभ ने भी
विनत हो मान ली है श्रेष्ठता उसकी !!

(e) छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को,
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है।

Q2. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) गोस्वामी तुलसीदास रचित 'कवितावली' के उत्तरकांड के आधार पर उनकी भक्ति-भावना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 20
(b) 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं' इस अभिमत के परिप्रेक्ष्य में कबीर की भाषा पर विचार कीजिए। 15
(c) बिहारी के विरह-वर्णन की मार्मिकता पर प्रकाश डालिए। 15

3. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) 'निराला' रचित 'राम की शक्ति पूजा' के शिल्प-विधान की समीक्षा कीजिए। 20
(b) 'असाध्य वीणा' के परिप्रेक्ष्य में 'अज्ञेय' के काव्यगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 15
(c) नागार्जुन के काव्य-वैविध्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 15

4.निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(a) सूरदास के वाग्वैदग्ध्य की 'भ्रमरगीत सार' के आधार पर समीक्षा कीजिए। 20
(b) 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर 'दिनकर' की युग-चेतना पर प्रकाश डालिए। 15
(c) नागार्जुन रचित 'अकाल और उसके बाद' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए .15

Answer Writing by Arvind Kumar Sir's

SECTION B

Q5. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए: 10x5=50

(a) विपन्नता के इस अबाह सागर में सोहाग ही वह तुम था, जिसे पकड़े हुए बह सागर को पार कर रही थी। इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी, मानो झटका दे कर उसके हाथ से वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहा। बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी बेदना-शक्ति आ गई थी। 10

(b) बह संसार के सुख-दुःख अनुभव करता है। अनुभूति और विचार ही उसकी शुक्ति है। उम अनुभूति का ही आदान-प्रदान बह देवी से कर सकता है। वह संसार के धूल-धूसरित मार्ग का पथिक है। उस मार्ग पर देवी के नारीत्व की कामना में वह अपना पुरुषत्व अर्पण करता है। वह आश्रय का आदान-प्रदान चाहता है। 10

(c) नीलोत्पल नहीं-नहीं। यह अँधेरा नहीं रहेगा। मानवता के पुजारियों की सम्मिलित वाणी गूँजती है पवित्र वाणी। उन्हें प्रकाश मिल गया है। तेजोमय क्षत-विक्षत पृथ्वी के घाब पर शीतल चंदन लेप रहा है। प्रेम और अहिंसा की साधना सफल हो चुकी है। फिर कैसा भव ! 10

(d) आज तक ये भीतरी उबाल और बाहरी दबाव के बीच टुकड़े-टुकड़े हो कर हमेशा घुटने ही टेकते आए हैं। हर बार दिनेश को लड़ाई के मैदान में ले तो ज़रूर गए हैं, पर जैसे ही गोलियाँ चली हैं, उसे बहीं छोड़कर भाग आए हैं अकेला, निहत्था। वह गोलियों की कोनी बौछार से लहूलुहान होता रहा है और ये खुद एक असह्य अपराध-बोध से। 10

e) जैसे कहीं बहुत दूर बरफ की चोटियों से परिन्दों के झुंड नीचे अनजान देशों की ओर उड़े जा रहे हैं। इन दिनों अक्सर उसने अपने कमरे की खिड़की से उन्हें देखा है- धागे से बँधे चमकीले लट्टुओं की तरह वे एक लम्बी टेढ़ी-मेढ़ी कतार में उड़े जाते हैं।।
10

6.निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) 'आषाढ़ का एक दिन' के आधार पर मोहन राकेश की नाट्य-कला की समीक्षा कीजिए। 20
(b)) 'मैला आँचल' के आधार पर फणीश्वरनाथ रेणु' की कथा-भाषा की समीक्षा कीजिए।15
(c) 'दिव्या' के आधार पर यशपाल की विचारधारा पर प्रकाश डालिए।15

7. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) 'गोदान' के कथा-विधान की समीक्षा कीजिए। 20
(b) 'भारत-दुर्दशा' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।15
(c) 'स्कन्दगुप्त' के आधार पर जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए। 15

Q8. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) 'परिन्दे' कहानी के आधार प्रर्र निर्मल वर्मा की कहानी कला की समीक्षा कीजिए। 20
(b) 'श्रद्धा और भक्ति' निबंध के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल की गद्य-शैली की समीक्षा कीजिए। 15
(c) "राजेन्द्र यादव एक प्रब्रीगधसी कहानीकार है" इस कथन की 'टूटना' कहानी के आधार पर तर्कसंगत दृष्टि से विचार कीजिए। 15

Answer Writing by Arvind Kumar Sir's